ipca
A dose of life

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

कक्षा - 12

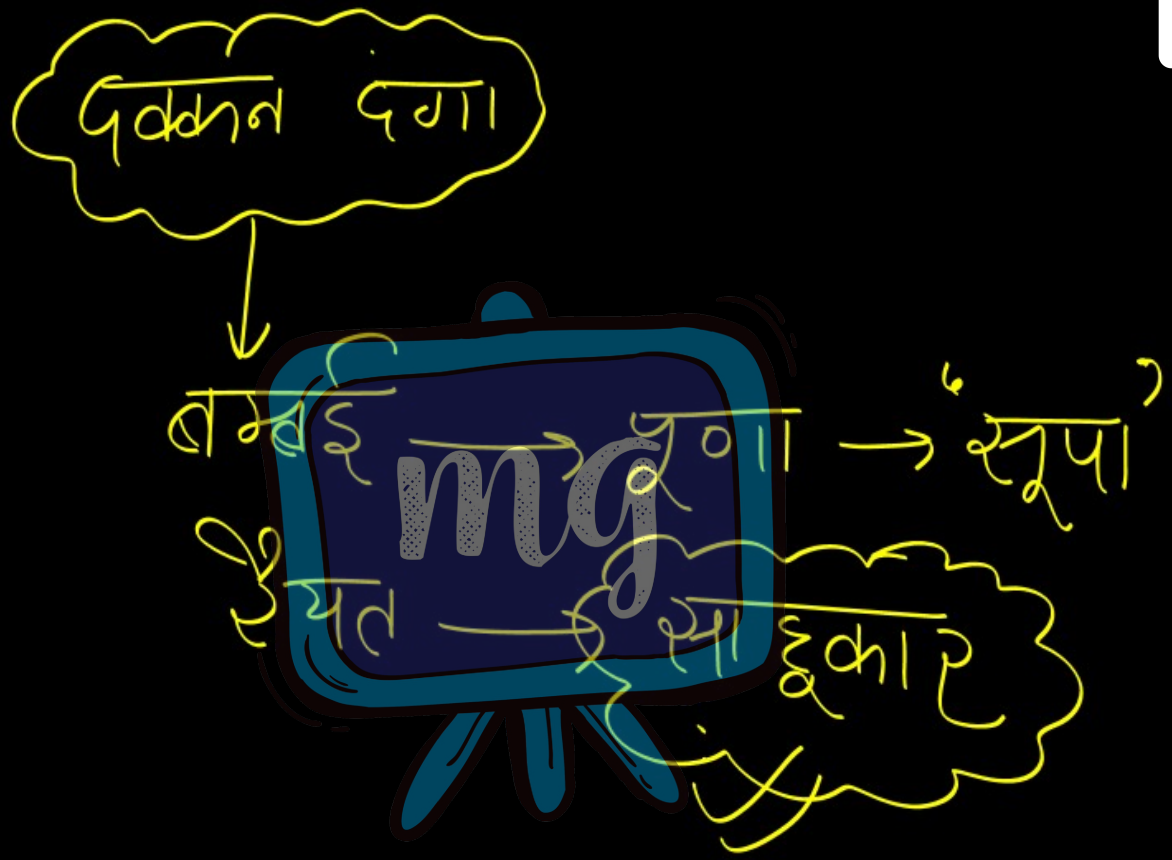
भारतीय इतिहास के कुछ विषय

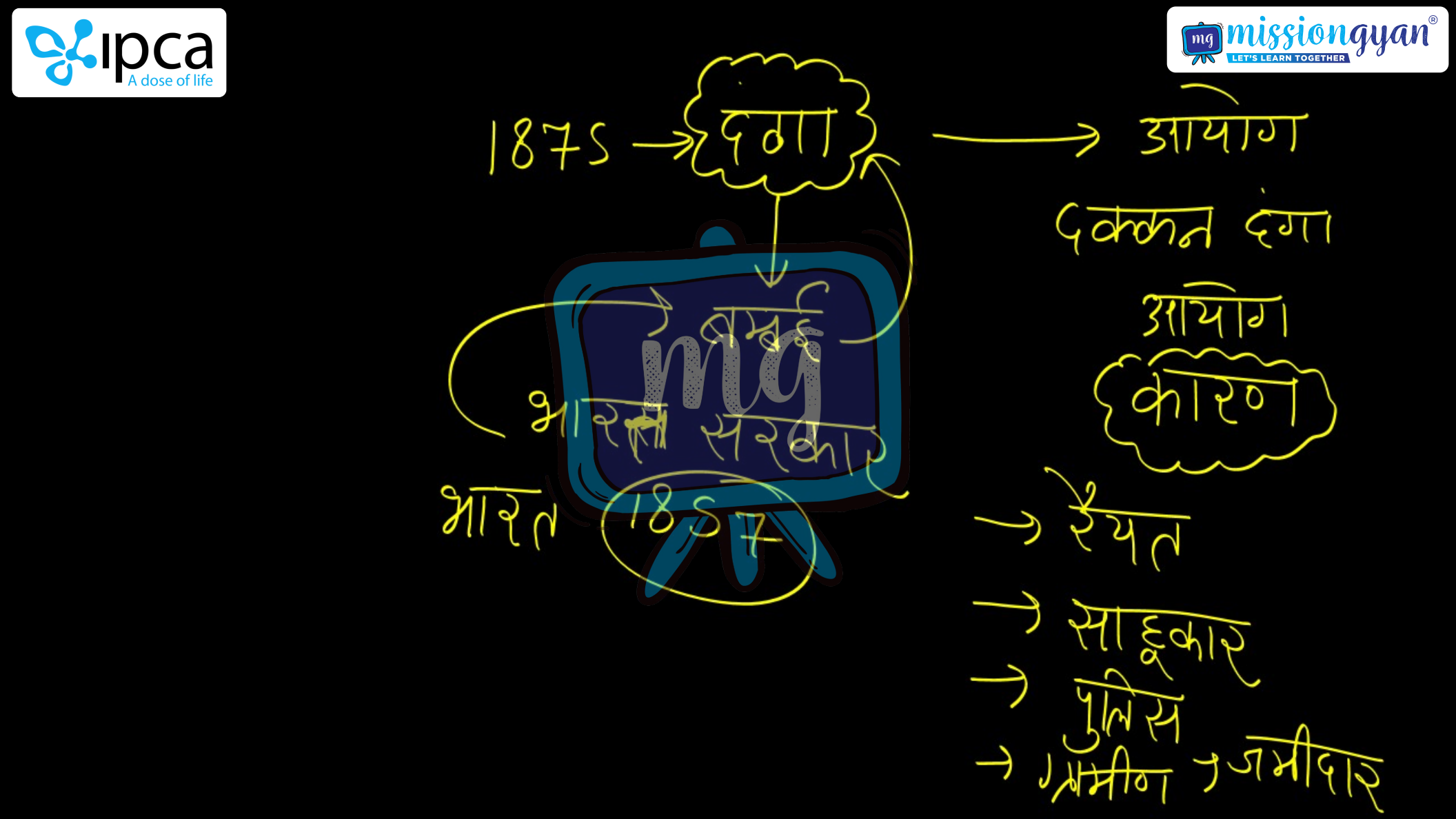
अध्याय - 9

उपनिवेशवाद और देहात

भाग - 6

प्रीतेश जोशी


Vaccine दवा।
कम्बई मg ण।। → 'खूप'
इयत → या हुकार


1875
दंगा
आयोग
दक्कन दंगा आयोग
कारण
ईयत
साहूकार
पुलिस
ग्रामीण
जमीदार
भारत सरकार
भारत
1857

अंग्रेजी संसद → रिपोर्ट → 1878



ipca
A dose of life

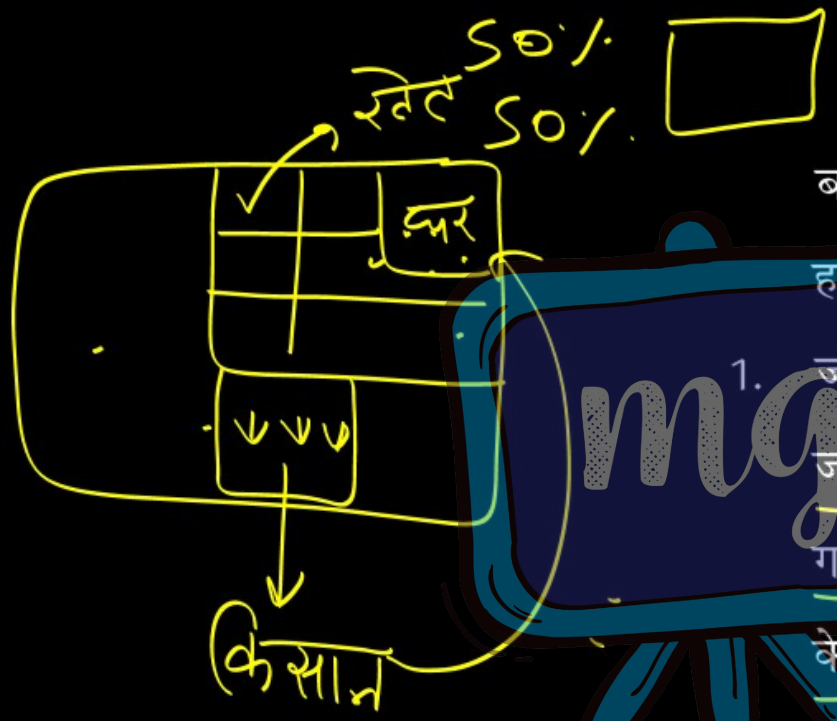
mg missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



1. ग्रामीण बंगाल के बहुत से इलाकों में जोतदार एक ताकतवर हस्ती क्यों था?

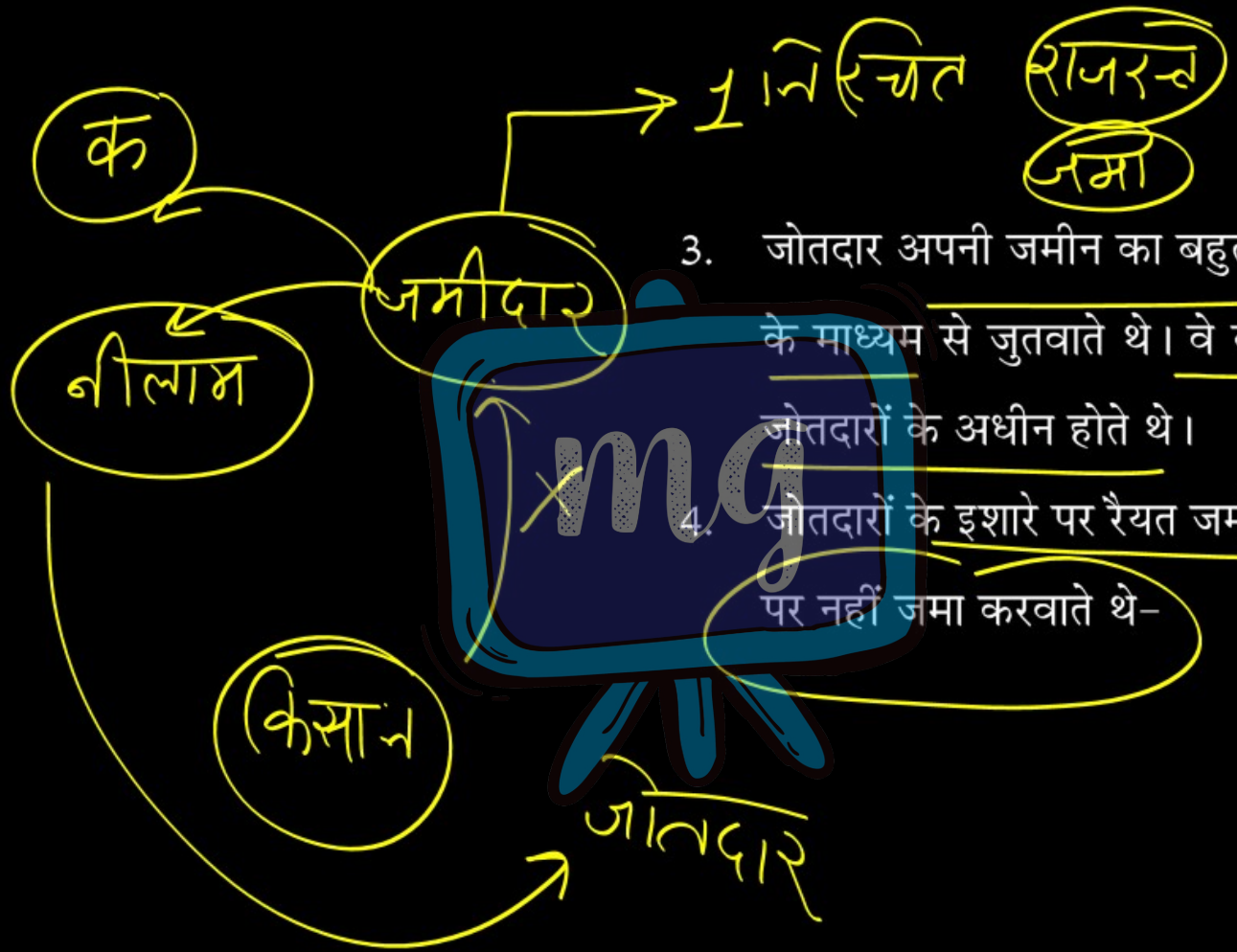
उत्तर :

कम्पनी
↓
राजस्व
जमींदार
लगान
↓
रैयत ⟷ जोतदार – यह अमीर रैयत होते थे।



बंगाल के बहुत से इलाके में जोतदार एक ताकतवर हस्ती निम्नलिखित कारणों से था –

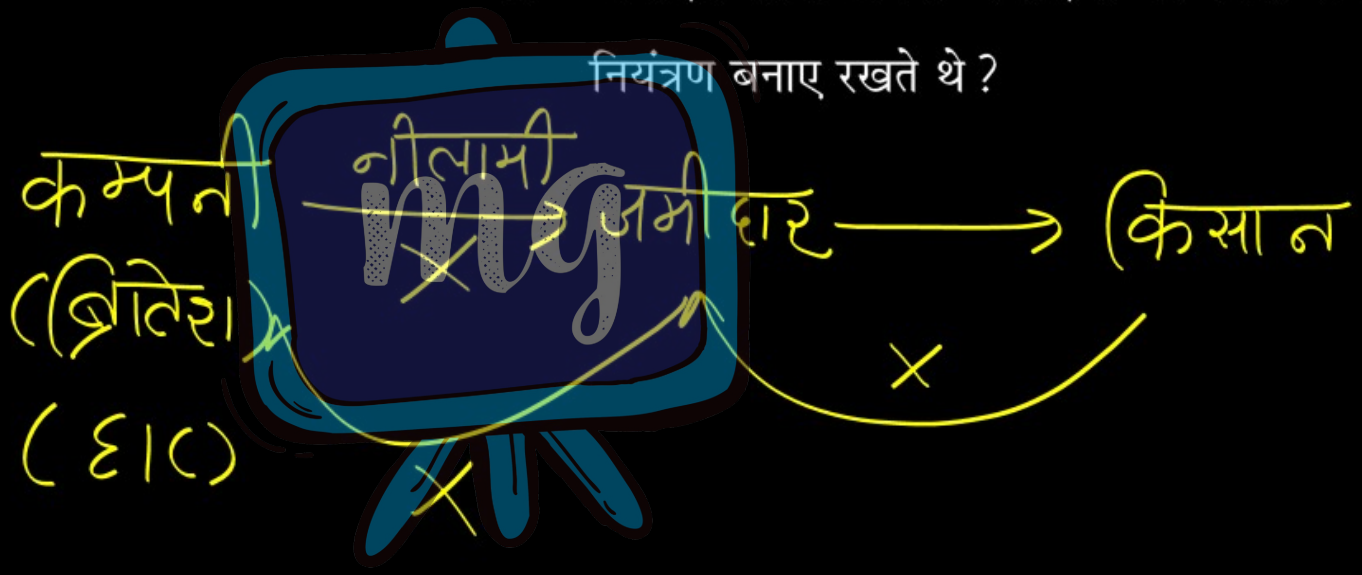
1. जोतदारों के रैयतों से घनिष्ठ संबंध होते थे – जोतदार जमींदारों की तरह जमीनों से दूर शहरों में नहीं बल्कि गांव में रहते थे और इस तरह गांवों के गरीब ग्रामीणों के काफी बड़े वर्ग पर सीधा नियंत्रण रखते थे।
2. जोतदारों ने बड़े-बड़े भूखंडों को प्राप्त कर लिया था–

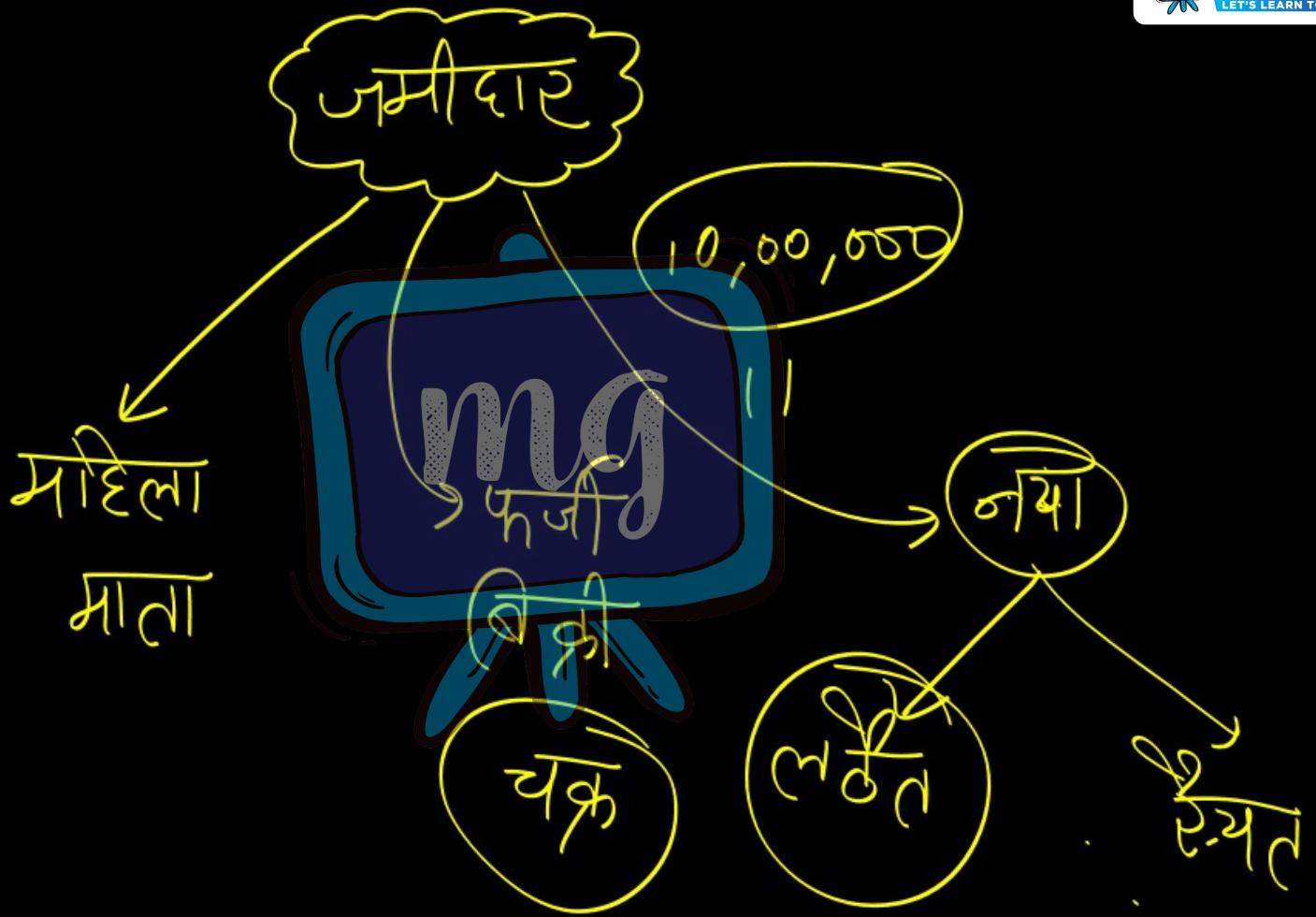


3. जोतदार अपनी जमीन का बहुत बड़ा भाग बटाइदारों के माध्यम से जुतवाते थे। वे बटाईदार एक तरह से जोतदारों के अधीन होते थे।

4. जोतदारों के इशारे पर रैयत जमींदार का लगान समय पर नहीं जमा करवाते थे–

2. जमींदार लोग अपनी जमींदारी पर किस प्रकार नियंत्रण बनाए रखते थे ?




जमीदार
10,00,000
महिला
माता
फजीहत
की
नया
चक्कर
लड़ैत
रैय्यत

ipca
A dose of life

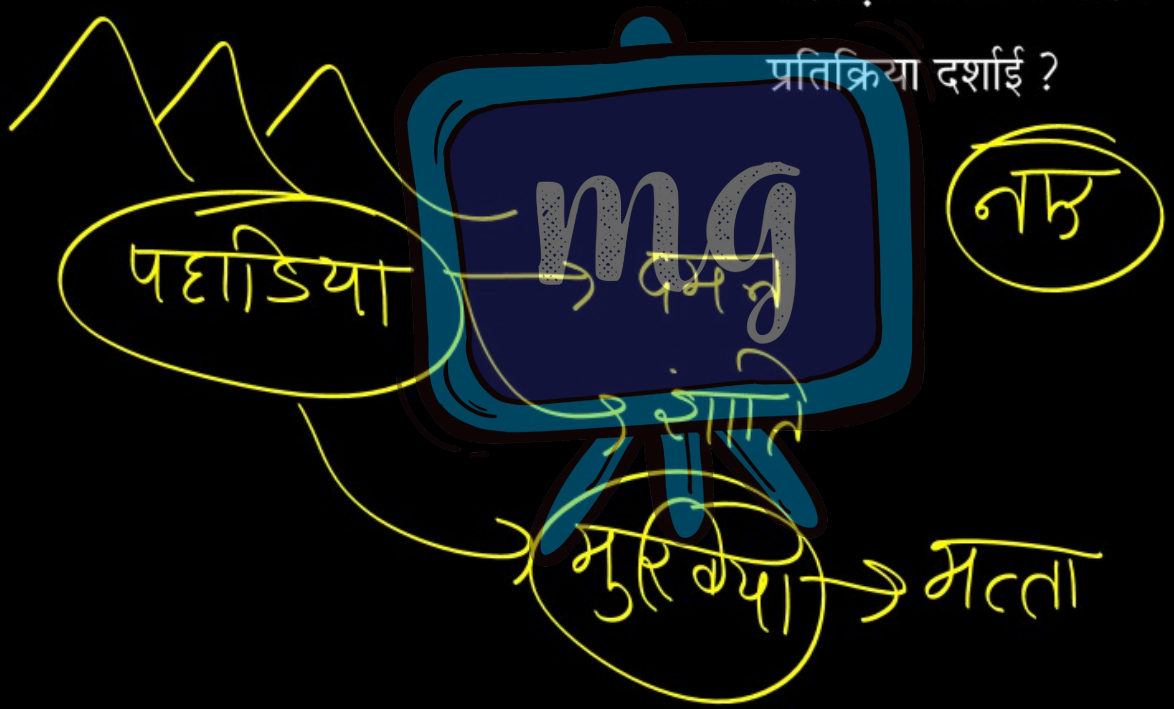
mg missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

उत्तर : जमींदार लोग अपनी जमींदारियों पर निम्नलिखित ढंग से नियंत्रण बनाए रखते थे :=

1. फर्जी बिक्री की तकनीक – बर्दवान की कहानी
2. नए जमींदार को जमीन का कब्जा नहीं देते थे– लठैतो की मदद से नए खरीददार के लोगों को मार-पीट कर भगा देते थे।
3. रैयत पुराने जमींदार के प्रति वफादार रहते थे और कई बार तो वे नये जमींदार (खरीददार) के लोगों को जमीन में घुसने ही नहीं देते थे। वे अपने आपको पुराने जमींदार से जुड़ा हुआ महसूस करते थे।

राजमहल

3. पहाड़िया लोगों ने बाहरी लोगों के आगमन पर कैसी प्रतिक्रिया दर्शाई ?



ipca
A dose of life

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

उत्तर : पहाड़ी लोगों को पहाड़िया कहा जाता था, ये राजमहल की पहाड़ियों के इर्द-गिर्द रहते थे ।

प्रतीक - कुदाल

- झूम खेती करते थे।
- जंगल की उपज से गुजर बसर करते थे।



रेखा
काठकोयला

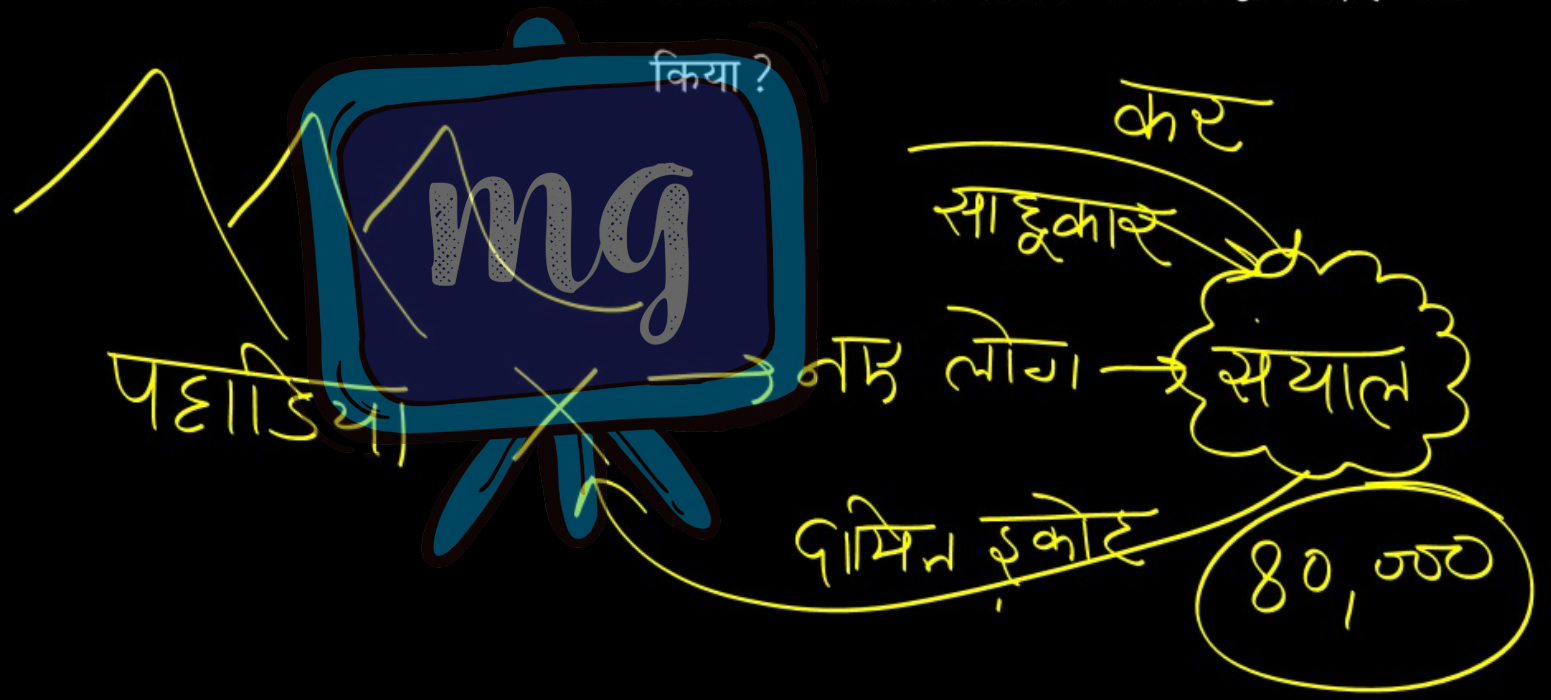
ipca
A dose of life

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

राजस्व

सरकार ने जैसे -जैसे कृषि को बढ़ाया, जंगल सिकुड़ते गए, और मैदानी लोगों व पहाड़िया लोगों के बीच झगड़े बढ़ते गए। मैदानों में रहने वाले जमींदारों को अक्सर इन पहाड़ी मुखियाओं को नियमित रूप से खिराज देकर उनसे शांति खरीदनी पड़ती थी। इसी प्रकार व्यापारी लोग भी इन पहाडियों द्वारा नियंत्रित रास्तों का इस्तेमाल करने की अनुमति प्राप्त करने हेतु उन्हें कुछ पथ-कर दिया करते थे।

4. संथालों ने ब्रिटिश शासन के विरूद्ध विद्रोह क्यों किया ?



ipca
A dose of life

mg missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

पहाड़िया → कुदाल

V/S

बनाम

संथाल → हल



उत्तर : संथाल लोग मुख्यतः कृषक थे।

संथालों की शक्ति का प्रतीक – हल

संथाल विद्रोह – 1855-56 में हुआ

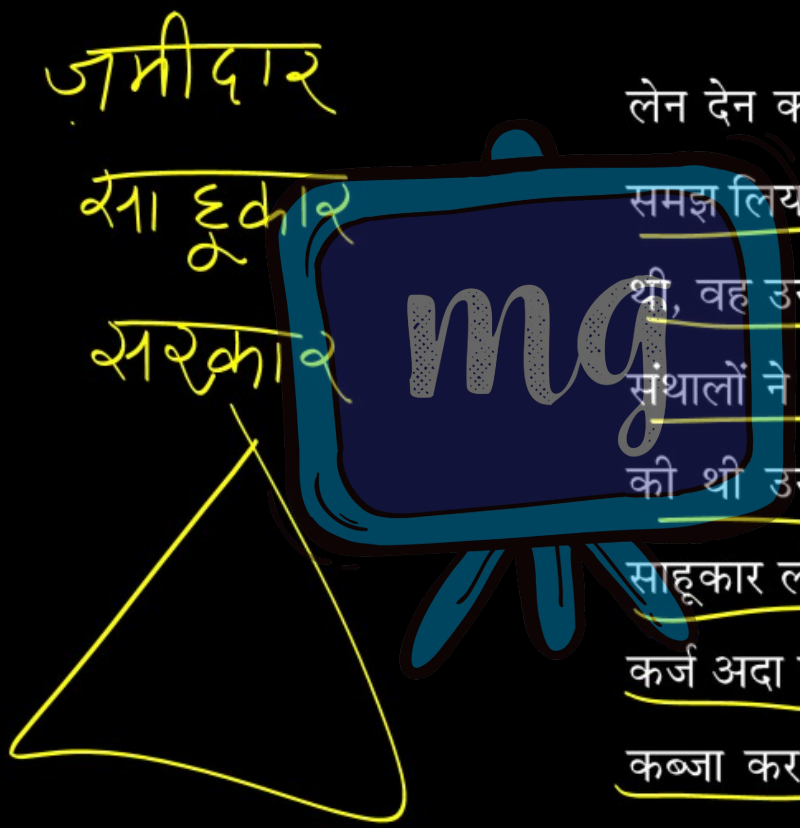
नेता – सिधू मांझी

संथालों ने ब्रिटिश शासन के विरूद्ध विद्रोह निम्नलिखित कारणों से किया –

संथाल अपनी खानाबदोश जिंदगी को छोड़ जंगलों के अंदरूनी हिस्सों में एक जगह बस गए और बाजार के लिए कई तरह की वाणिज्यिक फसलों की खेती करने लगे और व्यापारियों तथा साहूकारों के साथ

ipca
A dose of life

mg missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



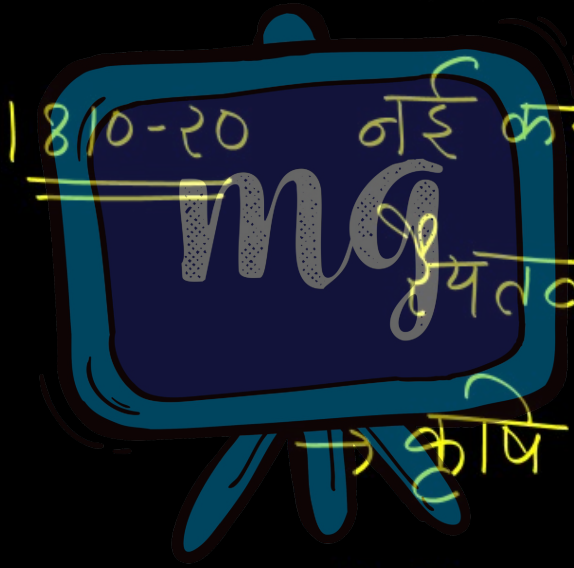
लेन देन करने लगे थे। किंतु संथालों ने जल्दी ही समझ लिया कि उन्होंने जिस भूमि पर खेती शुरू की थी, वह उनके हाथों से निकलती जा रही है क्योंकि संथालों ने जिस जमीन को साफ करके खेती शुरू की थी उस पर सरकार भारी कर लगा रही थी साहूकार लोग ऊँची दर पर ब्याज लगा रहे थे और कर्ज अदा न किये जाने की स्थिति में जमीन पर ही कब्जा कर रहे थे। जमींदार लोग भी दामिन-ए-कोह के इलाके पर अपने नियंत्रण का दावा कर रहे थे।

ipca
A dose of life

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

1. संथालों ने जिस जमीन को साफ करके खेती शुरू की थी, उस पर सरकार भारी कर लगा रही थी – (दामिन-ए-कोह)
2. साहूकार लोग बहुत ऊँची दर पर ब्याज लगा रहे थे। क र्ज अदा न करने पर संथालों की जमीन पर कब्जा कर लिया जाता था–
3. संथाल लोग अपने लिए आदर्श संसार का निर्माण करना चाहते थे। जहां उनका अपना शासन हो। अत: वे ऐसा मानते थे कि जमींदारों, साहूकारों तथा औपनिवेशिक राज के विरूद्ध विद्रोह करने का समय आ गया है।

5. दक्कन के रैयत ऋणदाताओं के प्रति क्रुद्ध क्यों थे ?

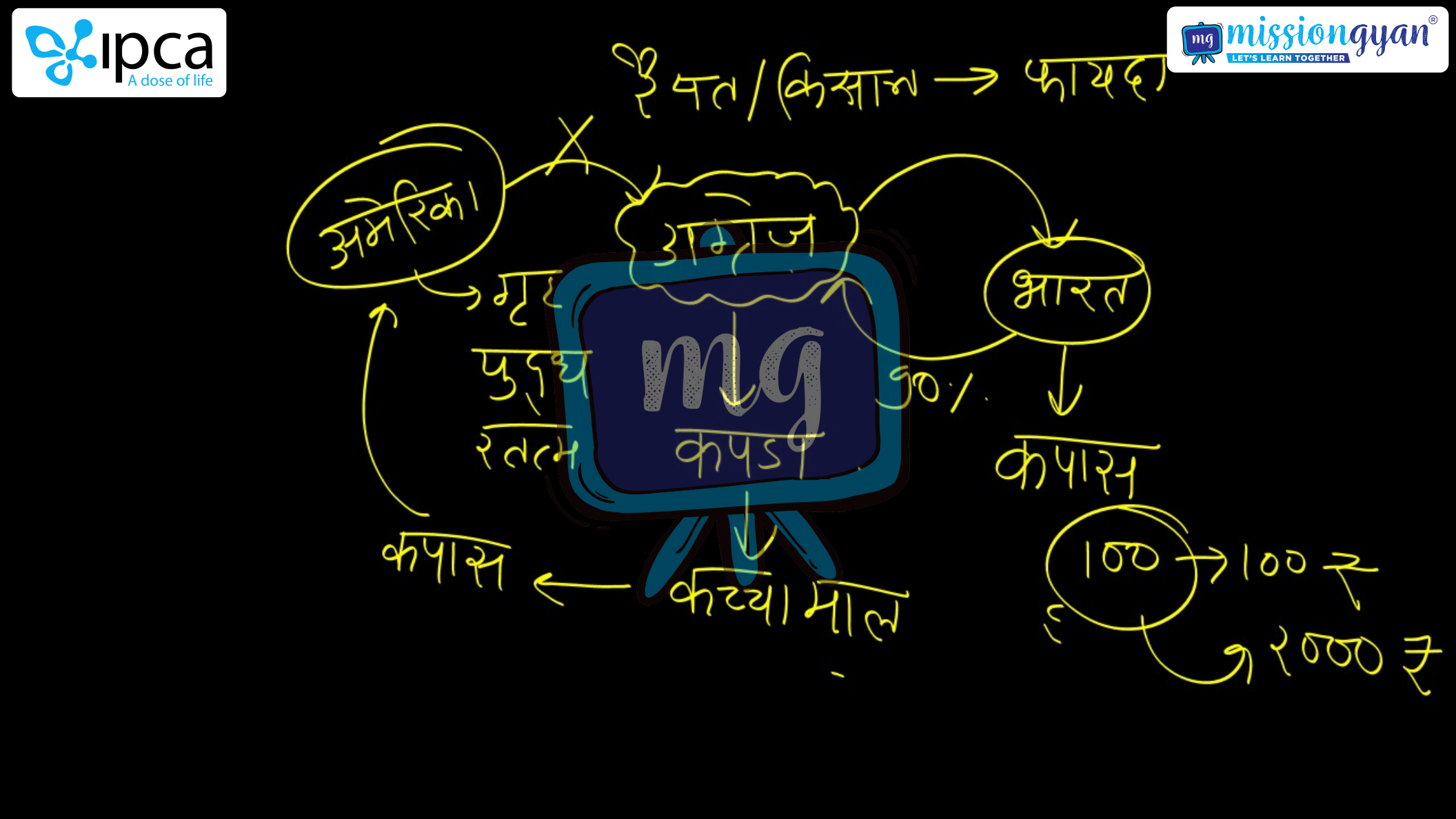


1810-20 नई कर/राजस्व प्रणाली

→ रैयतवाड़ी ✗

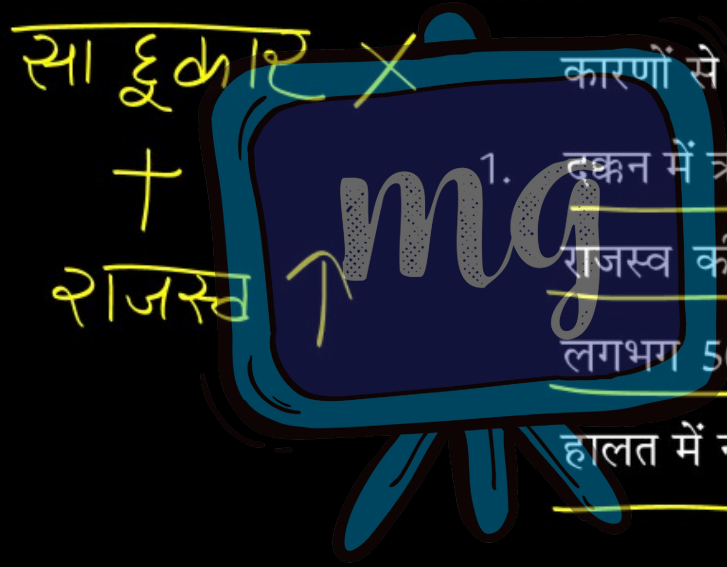
→ कृषि ↓

→ सूखा/अकाल ✗


ipca
A dose of life
missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER
कपास/किसान → फायदा
अमेरिका
अंग्रेज
भारत
मृदु
पुष्प
रतन
90%
कपास
कपास
कच्चा माल
100 → 100 ₹
1 → 1000 ₹

ipca
A dose of life

mg missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



उत्तर : दक्कन के रैयत ऋणदाताओं के प्रति निम्नलिखित कारणों से क्रुद्ध थे –

1. दक्कन में ऋण का स्त्रोत सूख गया। वहीं दूसरी ओर राजस्व की मांग बढ़ा दी गयी। कंपनी उपज का लगभग 50 प्रतिशत रैयत से लेती थी। रैयत उस हालत में नहीं थी कि बढ़ी हुई मांग पूरी कर सके।

ipca
A dose of life

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

2. 1832 के बाद कृषि उत्पादों की कीमतों में तेजी से गिरावट आई। परिणामस्वरूप किसानों की आय में और भी गिरावट आ गयी। इस दौरान 1832–34 के वर्षों में देहाती इलाके अकाल की चपेट में आकर बर्बाद हो गये। दक्कन का एक तिहाई पशुधन मौत के मुंह में चला गया और आधी मानव जनसंख्या भी काल का ग्रास बन गयी और जो बचे, उनके पास भी उस संकट का सामना करने के लिए खाद्यान्न नहीं था।

3. कपास के निर्यात में आयी गिरावट के बाद साहूकारों ने ऋण देने से मना कर दिया।

4. साहूकार ब्याज पर ब्याज लगाते जाते थे। (चक्रवर्ती ब्याज)



₹100 → ₹2000
ब्याज



6. इस्तमरारी बंदोबस्त के बाद बहुत सी जमींदारियां क्यों नीलाम कर दी गयी ?

जमींदारी ✓
& स्थायी ✓
किसान

1 निश्चित

ipca
A dose of life

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

उत्तर : बंगाल के गवर्नर जनरल लॉर्ड कार्नवालिस ने 1793 में भू-राजस्व वसूली की एक नयी पद्धति प्रचलित की जिसे 'स्थायी बंदोबस्त', 'जमींदारी प्रथा' अथवा 'इस्तमरारी बंदोबस्त' के नाम से जाना जाता है।

लगान स्थायी कर दिया गया था।

जमींदार द्वारा समय पर लगान अदा नहीं किये जाने पर सूर्यास्त कानून के तहत जमींदारी नीलाम कर दी जाती थी।

ipca
A dose of life

mg missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

इसके अनेक कारण थे –

1. कम्पनी द्वारा निर्धारित प्रारम्भिक राजस्व माँगें अत्यधिक ऊँची थीं।
2. भू-राजस्व की ऊँची माँग का निर्धारण 1790 के दशक में किया गया था इस समय कृषि उत्पादों के मूल्य कम थे।
3. जमींदारों के अनेक विशेषाधिकारों को समाप्त कर दिया गया था –
4. जमींदार शक्ति के प्रयोग द्वारा राजस्व वसूली नहीं कर सकते थे।
5. रैयत समय पर लगान जमा नहीं करवाते थे।